



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

## हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, वीरवार, 19 नवम्बर, 2009/28 कार्तिक, 1931

हिमाचल प्रदेश सरकार

HIMACHAL PRADESH ELEVENTH VIDHAN SABHA

NOTIFICATION

*Shimla-171004, the 18th November, 2009*

**No. VS-Legn.-Pre/1-21/2008.**—The following order dated, the 18th November, 2009 by the Governor of the State of Himachal Pradesh, Shimla-2, is hereby published for general information :—

“मैं, प्रभा राव, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 174(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में हिमाचल प्रदेश ग्यारहवीं विधान सभा के सप्तम् सत्र का आह्वान सोमवार, 14 दिसम्बर, 2009 को अपराह्न 02.00 बजे से हिमाचल प्रदेश विधान सभा भवन, तपोवन, धर्मशाला में समवेत होने के लिए करती हूँ।

प्रभा राव,  
राज्यपाल,  
हिमाचल प्रदेश।”

By Order,  
**GOVERDHAN SINGH,**  
Secretary,  
H.P. Vidhan Sabha.

**हिमाचल प्रदेश ग्यारहवीं विधान सभा**

अधिसूचना

शिमला-4, 18 नवम्बर, 2009

**संख्या: वि० स०-विधायन-प्रा०/21/2008.**—राज्यपाल महोदया का निम्नलिखित आदेश दिनांक 18 नवम्बर, 2009 सर्वसाधारण की सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है :-

“मैं, प्रभा राव, राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश, भारतीय संविधान के अनुच्छेद 174(1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में हिमाचल प्रदेश ग्यारहवीं विधान सभा के सप्तम् सत्र का आह्वान सोमवार, 14 दिसम्बर, 2009 को अपराह्न 02.00 बजे से हिमाचल प्रदेश विधान सभा भवन, तपोवन, धर्मशाला में समवेत होने के लिए करती हूँ।

**प्रभा राव,**  
राज्यपाल,  
हिमाचल प्रदेश।”

आदेश द्वारा,  
**गोवर्धन सिंह,**  
सचिव,  
हि० प्र० विधान सभा।

**बहुउद्देशीय परियोजनाएं एवं विद्युत विभाग**

अधिसूचनाएं

27, अक्तूबर, 2009

**संख्या विद्युत-छ-(5)-17/2008.**—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश विद्युत निगम लिमिटेड जो कि भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 (1894 का पहला अधिनियम) की धारा-3 के खण्ड (सी.सी.) के अन्तर्गत सरकार के स्वामित्व और नियन्त्रण के अधीन एक निगम है के द्वारा अपने व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः मुहाल पनयाली, उप-तहसील ददाहू, जिला सिरमौर, हि० प्र० में रेणुका बांध के निर्माण व इसके जलमग्न क्षेत्र हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव: एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-6 के उपबन्ध के अधीन सभी सम्बन्धित व्यक्तियों के लिए यह घोषणा की जाती है और उक्त अधिनियम की धारा-7 के उपबन्धों के अधीन भू-अर्जन समाहर्ता, हिमाचल प्रदेश विद्युत निगम, उत्तम भवन, शिमला, हिमाचल प्रदेश को एतद्वारा भूमि के अर्जन के लिए आदेश लेने का निर्देश दिया जाता है।

3. इसके अतिरिक्त उक्त अधिनियम की धारा-17 की उप धारा-1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल यह निर्देश देते हैं कि अत्याधिक आवश्यक मामला होने के कारण भूमि अर्जन समाहर्ता, हिमाचल प्रदेश विद्युत निगम, उत्तम भवन, शिमला, हि० प्र० उक्त अधिनियम की धारा-9 की उप धारा-1 के अधीन नोटिस के प्रकाशन के 15 दिन की अवधि समाप्त होने पर पंचाट देने से पूर्व भूमि का कब्जा ले सकते हैं।

4. भूमि का रेखांक का भू-अर्जन समाहर्ता, हिमाचल प्रदेश विद्युत निगम लिमिटेड, उत्तम भवन, शिमला-4, जिला शिमला, हि० प्र० के कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है।

## विवरणी

जिला	उप-तहसील	गांव	खसरा नम्बर	रकबा (बीघों में)
सिरमौर	ददाहू	पनयाली	383	00-03
			161	00-06
			197	00-08
			211	00-06
			221	00-06
			763/243	01-05
			314	01-00
			171	00-12
			151	00-10
			153	00-11
			178	01-04
			210	01-02
			171/1	00-05
			213	01-05
			764/243	01-13
			307	00-06
			313	00-10
			315	00-16
			319	00-16
			156	00-06
			157	00-09
			167	00-09
			148	00-15
			149	00-11
			152	00-08
			176	00-02
			209	00-17
			223	00-04
			230	00-06
			246	00-07
			267	00-17
			316	00-11
			332	00-04
			154	00-08
			175	00-06
			180	02-05
			216	00-12
			261	02-14
			146	00-04
			172	00-04
			183	00-07
			185	00-06
			217	00-09
			229	01-06
			268	00-10
			186	00-09
			187	00-06
			163	01-05

---

164	00-03
165	00-05
174	00-11
192	00-13
193	01-04
194	00-03
195	00-02
228	01-02
232	00-03
249	00-09
320	00-08
321	01-13
203	00-10
318	00-12
202	00-02
205	00-08
145	00-06
218	00-08
317	00-05
219	00-05
238	00-01
241	00-03
240	01-06
306	01-00
239	01-17
302	01-19
303	00-03
206	00-17
144	00-09
155	00-12
158	01-01
168	00-11
173	01-00
182	00-09
190	01-08
191	00-06
196	00-09
220	00-12
362	00-08
250	00-13
254	01-04
304	00-02
309	01-01
247	01-13
253	01-04
266	00-15
147	00-12
222	00-08
226	00-13
256	00-06
252	01-02
198	00-06

---

179	00-12
162	00-02
169	00-19
177	00-07
251	02-05
257	00-18
281	00-11
181	00-09
227	00-18
255	01-06
361	00-15
149/1	00-19
279	00-03
282	02-14
199	00-14
278	00-10
308	00-16
385	00-03
150	00-05
166	00-05
170	00-06
188	02-19
200	00-03
224	00-09
225	00-11
263	00-09
264	01-01
265	01-09
269	02-04
280	00-04
305	00-03
137	17-17
286/1	01-16
276	00-10
312	16-01
248	00-14
214	00-05
245	00-07
215	00-05
244	01-07
138	12-15
141	06-16
291	00-17
260	02-07
375	00-02
376	01-12
184	00-08
284	02-04
258/1	02-03
143	00-04
143/1	01-14
286	05-11

287	00-17
212/1	02-16
290	00-17
297	01-03
748/140	05-00
750/139	05-00
159	00-14
298	04-18
299	02-13
734/300	02-00
746/140	05-00
751/139	05-00
747/140	05-00
271	00-01
273	00-11
208	00-02
134	00-01
135	00-01
207	00-01
296	00-07
726/295	00-01
270	00-02
274	00-08
323	00-01
761/668	00-17
760/668	01-09
727/295	09-13
735/300	11-12
201	02-09
204	00-02
<b>कुल कित्ता—182</b>	<b>234-3</b>

शिमला 27, अक्तूबर, 2009

**संख्या विद्युत-छ-(5)-20/2008.**—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश विद्युत निगम लिमिटेड जो कि भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 (1894 का पहला अधिनियम) की धारा-3 के खण्ड (सी.सी.) के अन्तर्गत सरकार के स्वामित्व और नियन्त्रण के अधीन एक निगम है के द्वारा अपने व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः मुहाल मेथली, तहसील नौहरा, जिला सिरमौर, हि0 प्र0 में रेणुका बांध के निर्माण व इसके जलमग्न क्षेत्र हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएव: एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-6 के उपबन्ध के अधीन सभी सम्बन्धित व्यक्तियों के लिए यह घोषणा की जाती है और उक्त अधिनियम की धारा-7 के उपबन्धों के अधीन भू-अर्जन समाहर्ता, हिमाचल प्रदेश विद्युत निगम, उत्तम भवन, शिमला, हिमाचल प्रदेश को एतद्वारा भूमि के अर्जन के लिए आदेश लेने का निर्देश दिया जाता है।

3. इसके अतिरिक्त उक्त अधिनियम की धारा-17 की उप धारा-1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल यह निर्देश देते हैं कि अत्याधिक आवश्यक मामला होने के कारण भूमि अर्जन समाहर्ता, हिमाचल प्रदेश विद्युत निगम, उत्तम भवन, शिमला, हि0 प्र0 उक्त अधिनियम की धारा-9 की उप धारा-1 के अधीन नोटिस के प्रकाशन के 15 दिन की अवधि समाप्त होने पर पंचाट देने से पूर्व भूमि का कब्जा ले सकते हैं।

4. भूमि का रेखांक का भू-अर्जन समाहर्ता, हिमाचल प्रदेश विद्युत निगम लिमिटेड, उत्तम भवन, शिमला-4, जिला शिमला, हि0 प्र0 के कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है।

### विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा नम्बर	रकवा (बीघों में)
सिरमौर	नौहरा	मेथली	372	01-02
			396	13-03
			371	02-04
			532/390	01-05
			377	00-06
			373	01-01
			393	03-11
			395	00-10
			<b>कुल कित्ता-8</b>	<b>23-02</b>

शिमला-2, 27 अक्तूबर, 2009

**संख्या : विद्युत.-छ-(5)-27/2008.**—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि हिमाचल प्रदेश विद्युत निगम लिमिटेड जो कि भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 (1894 का पहला अधिनियम) की धारा-3 के खण्ड (सी.सी.) के अन्तर्गत सरकार के स्वामित्व और नियन्त्रण के अधीन एक निगम है के द्वारा अपने व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः मुहाल कोटला मांगन, तहसील राजगढ़, जिला सिरमौर, हि0प्र0 में रेणुका बांध के निर्माण व इसके जलमग्न क्षेत्र हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है, अतएवः एतद्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. भूमि अर्जन अधिनियम, 1894 की धारा-6 के उपबन्ध के अधीन सभी सम्बन्धित व्यक्तियों के लिए यह घोषणा की जाती है और उक्त अधिनियम की धारा-7 के उपबन्धों के अधीन भूमि अर्जन समाहर्ता, हिमाचल प्रदेश विद्युत निगम, उत्तम भवन, शिमला, हिमाचल प्रदेश को एतद्वारा भूमि के अर्जन के लिए आदेश लेने का निर्देश दिया जाता है।

3. इसके अतिरिक्त उक्त अधिनियम की धारा-17 की उप धारा-1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल यह निर्देश देते हैं कि अत्याधिक आवश्यक मामला होने के कारण भूमि अर्जन समाहर्ता, हिमाचल प्रदेश विद्युत निगम, उत्तम भवन, शिमला, हि0प्र0 उक्त अधिनियम की धारा-9 की उप धारा-1 के अधीन नोटिस के प्रकाशन के 15 दिन की अवधि समाप्त होने पर पंचाट देने से पूर्व भूमि का कब्जा ले सकते हैं।

4. भूमि का रेखांक का भू-अर्जन समाहर्ता, हिमाचल प्रदेश विद्युत निगम लिमिटेड, उत्तम भवन, शिमला-4, जिला शिमला, हि0प्र0 के कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है।

**विवरणी**

जिला	तहसील	गावं	खसरा नम्बर	रकवा (बीघों मे)
सिरमौर	राजगढ़	कोटला मांगन	478	0.12
			479	0-10
			480	0-17
			485	2-8
			481	1-10
			482	1-6
			484	3-5
			812/778/473	3-16
			811/778/473	5-0
			810/778/473	5-0
			809/778/473	5-0
			762/471	4-9
			763/471	4-9
			734/714/477	1-0
			735/714/477	3-4
			715/477	16-16
			877/779/710/476	1-0
			886/779/710/476	0-19
			778/709/476	2-10
			711/476	0-15
			712/476	0-1
			859/548/483	0-2
			861/548/483	1-15
			858/548/483	0-9
			860/548/493	0-16
			547/483	2-8
कुल कित्ता—26			कुल रकबा—69.17 बीघा	

शिमला-2, 22 सितम्बर, 2009

**संख्या: पीएलजी-एफसी(एफ)1-9/94-540-VIII.**—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि केन्द्रीय सरकार रेलवे विभाग के द्वारा अपने व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः गांव कुनैरन, तहसील अम्ब, जिला ऊना में नंगल डैम से तलवाड़ा ब्रॉडगेज रेलवे लाईन (अम्ब अन्दौरा से दौलतपुर अनुभाग) के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है। अतएव एतद द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम 1894 की धारा-4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।



4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समाहर्ता, जिला ऊना (सहायक उपायुक्त ऊना) हि0प्र0 के समक्ष अपनी आपति दायर कर सकता है ।

### विस्तृत विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा न0	रकबा (हैक्टेयर)
ऊना	अम्ब	कुनैरन	1011	0-14-24
			1012	0-18-07
			1013	0-01-54
			1014	0-00-52
			1015	0-00-32
			1017	0-05-04
			1308	0-92-16
			1309	0-39-73
			1326	1-51-32
			1327	0-00-57
			1328	0-00-48
			1329	0-56-03
			1330	0-09-93
			1331	0-08-59
			1332	0-20-95
			1604/1333	0-09-45
			1605/1333	0-09-90
			1333/1	0-02-36
			1334	0-08-39
			1335	0-08-32
			1336	0-17-63
			1337	0-06-66
			1337/1	0-12-39
			1338	0-12-94
			1339	0-08-51
			1354	0-09-94
			1355	0-08-88
			1356	0-10-01
			1368	0-07-02
			1371/1	0-35-94
			1372	0-15-08
			1375	0-98-52
			1376	0-07-75
			1377	0-06-94
			1378	0-06-79
			1379	0-07-04
			1380	0-01-32
			1381	0-08-64
			1382	0-05-78
			1383	0-03-58
			1384	0-06-77
			1385	0-06-21
			1386	0-07-68
			1387	0-07-80
			1388	0-00-85
			1389	0-09-20
			1390	0-20-00

1446	0-08-30
1447	0-02-16
1448	0-14-19
1449	0-13-33
1450	0-34-22
1451	0-31-51
1452	0-02-75
1453	0-09-60
1454	0-20-27
1456	0-11-00
1457	0-09-76
1458	0-11-00
1460	0-23-37
1461	0-06-12
1462	0-17-84
1463	0-23-03
1464	0-02-55
किता (64)	10-48-78

### शिमला-2 22 सितम्बर, 2009

**संख्या: पीएलजी-एफसी(एफ)1-9/94-540-VIII.**—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि केन्द्रीय सरकार रेलवे विभाग के द्वारा अपने व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः गांव कढ़, तहसील अम्ब, जिला ऊना में नंगल डैम से तलवाड़ा ब्रॉडगेज रेलवे लाईन (अम्ब अन्दौरा से दौलतपुर अनुभाग) के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है। अतएव एतद द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम 1894 की धारा-4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समाहर्ता, जिला ऊना (सहायक उपायुक्त ऊना) हि0प्र0 के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

### विस्तृत विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा न0	रकबा (हैक्टेयर)
ऊना	अम्ब	कढ़	946	0-07-80
			947	0-03-36
			948	0-03-63
			949	0-03-54
			950	0-52-21
			951	0-05-87
			952	0-06-74
			955	0-22-52

1113	0-08-45
1114	0-02-73
1115	0-03-41
1116	0-00-60
1117	0-05-84
1128	0-00-74
1129	0-00-52
1130	0-00-48
1131	0-02-18
1132	0-02-76
1133	0-00-85
1134	0-00-65
1135	0-10-92
किता (21)	1-45-80

### शिमला-2 22 सितम्बर, 2009

**संख्या: पीएलजी-एफसी(एफ)1-9/94-540-VIII.**—यतः हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल को यह प्रतीत होता है कि केन्द्रीय सरकार रेलवे विभाग के द्वारा अपने व्यय पर सार्वजनिक प्रयोजन हेतु नामतः गांव मैरा, तहसील अम्ब, जिला ऊना में नंगल डैम से तलवाड़ा ब्रॉडगेज रेलवे लाईन (अम्ब अन्दौरा से दौलतपुर अनुभाग) के निर्माण हेतु भूमि अर्जित करनी अपेक्षित है। अतएव एतद द्वारा यह अधिसूचित किया जाता है कि उक्त परिक्षेत्र में जैसा कि निम्न विवरणी में निर्दिष्ट किया गया है, उपरोक्त प्रयोजन के लिए भूमि का अर्जन अपेक्षित है।

2. यह अधिसूचना ऐसे सभी व्यक्तियों को जो इससे सम्बन्धित हो सकते हैं, की जानकारी के लिए भूमि अर्जन अधिनियम 1894 की धारा-4 के उपबन्धों के अन्तर्गत जारी की जाती है।

3. पूर्वोक्त धारा द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश इस समय इस उपक्रम में कार्यरत सभी अधिकारियों, उनके कर्मचारियों और श्रमिकों को इलाके की किसी भी भूमि में प्रवेश करने और सर्वेक्षण करने तथा उस धारा द्वारा अपेक्षित अथवा अनुमतः अन्य सभी कार्यों को करने के लिए सहर्ष प्राधिकार देते हैं।

4. कोई भी हितबद्ध व्यक्ति जिसे उक्त परिक्षेत्र में कथित भूमि के अर्जन पर कोई आपत्ति हो तो वह इस अधिसूचना के प्रकाशित होने के तीस (30) दिन की अवधि के भीतर लिखित रूप में भू-अर्जन समाहर्ता, जिला ऊना (सहायक उपायुक्त ऊना) हि0प्र0 के समक्ष अपनी आपत्ति दायर कर सकता है।

### विस्तृत विवरणी

जिला	तहसील	गांव	खसरा न0	रकबा (हैक्टेयर)
ऊना	अम्ब	मैरा	40	0-02-24
			41	0-28-75
			42	0-00-20
			43	0-00-27
			44	0-02-81
			45	0-03-28
			46	0-00-63
			47	0-00-12
			48	0-01-33
			49	0-04-05
			54	0-46-48
			55	0-01-98

---

56	0-27-16
57	0-00-72
58	0-00-58
59	0-31-61
60	0-13-41
61	0-01-07
62	0-00-67
63	0-00-32
64	0-06-93
65	0-03-12
66	0-05-85
67	0-22-44
68	0-20-43
69	0-12-78
70	0-08-68
71	1-18-52
87	1-66-68
140	0-78-26
145	0-14-67
146	0-18-71
147	0-01-02
148	0-05-42
149	0-06-54
150	0-03-60
151	0-02-66
152	0-33-32
153	0-04-76
154	0-17-42
155	0-05-01
156	0-55-09
158	1-32-87
178	0-79-17
179	1-26-52
180	1-30-52
181	0-11-20
421	0-26-31
427	0-05-42
428	0-00-56
429	0-00-84
430	0-00-49
431	0-00-78
432	0-00-52
433	0-00-30
434	0-00-45
435	0-02-36
436	0-01-70
438	0-71-74
439	0-22-17
2595/440	0-06-14
2596/440	0-37-09
441	0-23-74
442	0-06-26
443	0-79-00
444	0-85-22
445	0-02-16
446	0-45-29

---

471	0-07-26
473	0-00-81
474	0-98-09
475	0-17-25
476	0-31-52
478	0-34-17
479	0-06-19
480	0-02-92
654	0-21-06
655	0-00-34
656	0-00-54
657	0-00-22
658	0-00-75
659	0-00-37
661	0-07-27
663	0-34-29
665	0-24-82
713	0-28-88
817	0-28-41
818	0-04-16
820	0-24-52
821	0-04-94
822	0-01-82
823	0-16-78
824	0-13-68
825	0-16-12
837	0-12-41
842	0-07-85
843	0-06-35
844	0-12-07
845	0-11-59
846	0-05-54
847	0-37-43
852	0-15-30
853	0-00-21
854	0-02-88
855	0-04-53
856	0-02-41
857	0-03-53
858	0-12-09
867	0-30-60
868	0-18-34
1641	0-04-72
1642	0-01-00
1643	0-05-96
1644	0-06-48
1645	0-02-62
1646	0-06-65
1651	0-07-36
1652	0-02-40
1653	0-02-73
1654	0-11-87
1655	0-18-13
1656	0-08-47
1657	0-17-24
1658	0-17-25

1659	0-04-73
1663	0-19-57
1665	0-24-55
1666	0-01-65
1667	0-02-64
1668	0-63-95
1669	0-48-71
1703	0-09-56
1786	0-00-54
1811	0-04-92
1812	0-07-59
1816	0-18-30
1817	0-01-30
1818	0-01-86
1822	0-02-13
1823	0-01-16
1825	0-00-52
1827	0-16-31
1828	0-09-46
1829	0-01-38
1830	0-01-60
1831	0-01-29
1832	0-00-78
1833	0-00-75
1834	0-10-10
1839	0-13-94
1840	0-06-48
1841	0-06-08
1842	0-01-47
1843	0-02-19
1844	0-09-91
1845	0-00-90
1870	0-05-82
1879	0-22-65
1881	0-19-51
1883	0-04-49
किता (160)	27-50-39

### शुद्धि-पत्र

शिमला-2, 12 अक्टूबर, 2009

संख्या: पीएलजी-एफसी(एफ)1-9/94-540-VIII.—इस विभाग की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 22 सितम्बर, 2009 में गांव “कुनैरन” के स्थान पर गांव “कुनैरन झिकला” पढ़ा जाए ।

आदेश द्वारा,

हस्ता/-  
प्रधान सचिव ।

BEFORE DR. AMANDEEP GARG, IAS, DISTRICT COLLECTOR SOLAN,  
DISTRICT SOLAN H.P.

CASE NO.

DATE OF INSTT.

-----  
38/13 OF 09-----  
2.5.2009State *versus*

M/s Andaj Resort Pvt.Ltd Block No .5 B Sector -6 Parwanoo, District Solan (H.P.)

Violation of section 118 H.P. Tenancy &amp; Land Reforms act, 1972.

Notice to :-

M/s Andaj Resort Pvt. Ltd Block No .5 B Sector -6 Parwanoo, District Solan (H.P.)

Whereas it has been reported by the revenue field agency that you the respondent was granted permission for purchase of land comprised in khasra No 595 measuring 2-13 bigha situated in village Katoh, Tehsil Kandaghat, Distt. Solan H.P. for the construction of Hotel/ Resorts in the year 1994. As per condition No. 2 of the permission letter you the respondent has to utilize the land within a period of 2 years from the grant of permission, but you the respondent has not used the land for the purpose of which you have applied for.

Keeping in view of the report of revenue field agency it is evident that you the respondent has violated the section 118 H.P. Tenancy and Land Reform Act 1972. Nos. of notice were issued to you have not appeared in this court hence by this proclamation you are required to appear in this court on 30.11.09 at 2.00 P.M. in person or through authorized agent to file the reply of notice, failing which *ex parte* orders will be passed against you and the land will be confiscated to the State of H.P. without giving any notice to you.

Given under my hand and seal of court this 31.10.09.

District Collector, Solan  
Distt. Solan H.P.

BEFORE DR. AMANDEEP GARG, IAS, DISTRICT COLLECTOR SOLAN,  
DISTRICT SOLAN H.P.

CASE NO.DATE OF INSTT.

28/13 OF 09

2.4.2009

State *versus*

Ex.Airmarshal Idandass Vehromal Sabhani s/o Sh. Vehromal Sabhani r/o 147 Vayupuri Sikardrabad (A.P.)

Violation of section 118 H.P. Tenancy &amp; Land Reforms act, 1972.

Notice to:-

Ex.Airmarshal Idandass Vehromal Sabhani s/o Sh. Vehromal Sabhani r/o 147 Vayupuri Sikardrabad (A.P.)

Whereas it has been reported by the revenue field agency that you the respondent was granted permission for purchase of land comprised in khasra No 270/252/2 and 272/253/2 kita 2 measuring 0-10 bigha situated in village Chabal, Tehsil Kasauli, Distt. Solan H.P. for the construction of residence house vide Financial Commissioner-Cum-Secretary (Rev) to the Govt. of

H.P. vide his office letter No. Rev. B.(F) 373/2001 dated 25.7.2002. As per condition No. 2 of the permission letter you the respondent has to utilize the land within a period of 2 years from the grant of permission, but you the respondent has not used the land for the purpose of which you have applied for.

Keeping in view of the report of revenue field agency it is evident that you the respondent has violated the section 118 H.P. Tenancy and Land Reform Act 1972. Nos. of notice were issued and send to you but you have not appeared in this court hence by this proclamation you are required to appear in this court on 30.11.09 at 2.00 P.M. in person or through authorized agent to file the reply of notice, failing which *ex parte* orders will be passed against you and the land will be confiscated to the State of H.P. without giving any notice to you.

Given under my hand and seal of court this 31.10.09.

District Collector, Solan  
Distt Solan H.P.

BEFORE DR. AMANDEEP GARG, IAS, DISTRICT COLLECTOR SOLAN,  
DISTRICT SOLAN H.P.

CASE NO.

DATE OF INSTT.

-----  
10/13 OF 09

-----  
1.3.2009

State *versus*

Sh. Vinyak Rao s/o Sh. Jagan Nath r/o house No B-313 Sarita Vihar  
New Delhi.

Violation of section 118 H.P. Tenancy & Land Reforms act, 1972.

Notice to -:

Sh. Vinyak Rao s/o Sh. Jagan Nath r/o house No B-313 Sarita Vihar  
New Delhi.

Whereas it has been reported by the revenue field agency that you the respondent was granted permission for purchase of land comprised in khasra No 166/2 measuring 0-13-0 bigha situated in village Jagjit Nagar, Sub Tehsil Krishangarh, Distt. Solan H.P. for the construction of residence house vide Financial Commissioner-Cum-Secretary (Rev) to the Govt. of H.P. vide his office letter No. Rev. B.(F) 158/99 dated 08.08.1999. As per condition No. 2 of the permission letter you the respondent has to utilize the land within a period of 2 years from the grant of permission, but you the respondent has not used the land for the purpose of which you have applied for.

Keeping in view of the report of revenue field agency it is evident that you the respondent has violated the section 118 H.P. Tenancy and Land Reform Act 1972. Nos. of notice were issued and send to you but you have not appeared in this court hence by this proclamation you are required to appear in this court on 30.11.09 at 2.00 P.M. in person or through authorized agent to file the reply of notice, failing which *ex parte* orders will be passed against you and the land will be confiscated to the State of H.P. without giving any notice to you.

Given under my hand and seal of court this 31.10.09

District Collector, Solan  
Distt Solan H.P.



BEFORE DR. AMANDEEP GARG, IAS, DISTRICT COLLECTOR SOLAN,  
DISTRICT SOLAN H.P.

CASE NO.

DATE OF INSTT.

-----  
16/13 OF 09-----  
1.3..2009State *versus*M/s Joom Resorts Pvt. Ltd. through its Director Smt. Raj Bala w/o  
Jitender Singh Tu-44 Pritampura Delhi.

Violation of section 118 H.P. Tenancy &amp; Land Reforms act, 1972.

Notice to:-

M/s Joom Resorts Pvt Ltd through its Director Smt. Raj Bala w/o  
Jitender Singh Tu-44 Pritampura Delhi.

Whereas it has been reported by the revenue field agency that you the respondent was granted permission for purchase of land comprised in khasra No. 486/397 measuring 5-00 bigha situated in village Sanwara, Tehsil Kasauli, Distt. Solan H.P. for the construction of Resorts vide Financial Commissioner-Cum-Secretary (Rev) to the Govt. of H.P. vide his office letter No. Rev. B.(F) 10-505/2004 dated 19.1.2005. As per condition No. 2 of the permission letter you the respondent has to utilize the land within a period of 2 years from the grant of permission, but you the respondent has not used the land for the purpose of which you have applied for.

Keeping in view of the report of revenue field agency it is evident that you the respondent has violated the section 118 H.P. Tenancy and Land Reform Act 1972. Nos. of notice were issued to you have not appeared in this court hence by this proclamation you are required to appear in this court on 13.11. 09 at 2.00 P.M. in person or through authorized agent to file the reply of notice, failing which *ex parte* orders will be passed against you and the land will be confiscated to the State of H.P. without giving any notice to you.

Given under my hand and seal of court this 31.10.09.

District Collector, Solan  
Distt Solan H.P.

BEFORE DR. AMANDEEP GARG, IAS, DISTRICT COLLECTOR SOLAN,  
DISTRICT SOLAN H.P.

CASE NO.

DATE OF INSTT.

-----  
23/13 OF 09-----  
1.3.2009State *versus*M/s Rikhi Resorts Pvt.Ltd through its Managing Director Sh. Surjit  
Singh Rikhi r/o village Sakori, Tehsil Kandaghat, District Solan H.P.

Violation of section 118 H.P. Tenancy &amp; Land Reforms act, 1972.

Notice to :-

M/s Rikhi Resorts Pvt. Ltd through its Managing Director Sh. Surjit  
Singh Rikhi r/o village Sakori, Tehsil Kandaghat, District Solan H.P.

Whereas it has been reported by the revenue field agency that you the respondent was granted permission for purchase of land comprised in khasra No 162,163,166,167 kita 4 measuring 5-10 bigha situated in village Sakori, Tehsil Kandaghat, Distt. Solan H.P. for the construction of Hotel/ Resorts in the year 1994. As per condition No. 2 of the permission letter you the respondent has to utilize the land within a period of 2 years from the grant of permission, but you the respondent has not used the land for the purpose of which you have applied for.

Keeping in view of the report of revenue field agency it is evident that you the respondent has violated the section 118 H.P. Tenancy and Land Reform Act 1972. Nos. of notice were issued to you have not appeared in this court hence by this proclamation you are required to appear in this court on 30.11.09 at 2.00 P.M. in person or through authorized agent to file the reply of notice, failing which *exparte* orders will be passed against you and the land will be confiscated to the State of H.P. without giving any notice to you.

Given under my hand and seal of court this 31.10.09.

District Collector, Solan  
Distt Solan H.P.

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, ज्वालामुखी, तहसील ज्वालामुखी, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

ब मुकदमा :

शकुन्तला देवी विधवा राणू राम, वासी रैंखा, डा0 सिंहौलाई, तहसील ज्वालामुखी, जिला कांगड़ा।

बनाम

आम जनता

दरखास्त जेर धारा 13 (3) जन्म एवम् मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्रीमती शकुन्तला देवी ने इस अदालत में दरखास्त दी है कि इसके पति श्री राणू राम की मृत्यु पंचायत रजिस्टर में गलती से दर्ज न करवाई गई है। अब दर्ज की जावे। इसके पति की मृत्यु तिथि 4-3-2009 तथा मृत्यु रैंखा गांव में हुई है।

अतः इस नोटिस द्वारा समस्त जनता तथा सम्बन्धित रिश्तेदारों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को इसका नाम दर्ज करने बारे में कोई आपत्ति या उजर हो तो वह दिनांक 28-12-2009 को समय 10.00 बजे प्रातः स्वयं अथवा किसी वान्छित के माध्यम से हमारे समक्ष अदालत में हाजिर होकर पेश करें। अन्यथा एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 12-11-2009 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

सन्तोष कुमार,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
ज्वालामुखी, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री एच0 एल0 इन्दौरिया, तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा,  
हिमाचल प्रदेश

श्री दर्शन कुमार पुत्र श्री रूपा राम, निवासी लोयर लम्बा गांव, मौजा लम्बा गांव, तहसील जयसिंहपुर,  
जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश प्रार्थी।

बनाम

आम जनता महाल लोयर लम्बागांव, मौजा लम्बागांव, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल  
प्रदेश

प्रत्यार्थीगण।

विषय.—प्रार्थना—पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री दर्शन कुमार पुत्र श्री रूपा राम, निवासी लोयर लम्बा गांव, मौजा लम्बा गांव, तहसील जयसिंहपुर,  
जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ने अधोहस्ताक्षरी की अदालत में प्रार्थना—पत्र मय ब्यान हल्फी इस आशय से  
गुजारा है कि उसके पुत्र विजय कुमार की जन्म तिथि 5-4-2003 है जो कि ग्राम पंचायत लम्बा गांव के  
रिकार्ड में दर्ज न है, जिसे दर्ज किया जावे।

इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण को बजरिया इश्तहार सूचित किया जाता है कि प्रार्थी श्री विजय कुमार की  
जन्म तिथि व नाम ग्राम पंचायत लम्बागांव के रिकार्ड में दर्ज करने पर यदि किसी को कोई उजर व एतराज  
हो तो वह दिनांक 23-11-2009 को असालतन या वकालतन अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में आकर अपना  
एतराज दर्ज करवा सकता है। हाजिर न आने की सूरत में जन्म तिथि व नाम दर्ज करने के आदेश दे दिए  
जाएंगे।

आज दिनांक 19-10-2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

एच0 एल0 इन्दौरिया,  
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

-----

ब अदालत श्री एच0 एल0 इन्दौरिया, तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा,  
हिमाचल प्रदेश

श्री संजीव कुमार पुत्र श्री ब्रह्मू राम, निवासी बाग कुलजा, मौजा जयसिंहपुर, तहसील जयसिंहपुर,  
जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश प्रार्थी।

बनाम

आम जनता, महाल बाग कुलजा, मौजा जयसिंहपुर, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल  
प्रदेश

प्रत्यार्थीगण।

विषय.—प्रार्थना—पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री संजीव कुमार पुत्र श्री ब्रह्मू राम, निवासी बाग कुलजा, मौजा जयसिंहपुर, तहसील जयसिंहपुर,  
जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ने अधोहस्ताक्षरी की अदालत में प्रार्थना—पत्र मय ब्यान हल्फी इस आशय से

गुजारा है कि उसके दादा श्री डैम्बा राम की मृत्यु तिथि 4 जनवरी, 1996 है जो कि ग्राम पंचायत बाग कुलजा के रिकार्ड में दर्ज न है, जिसे दर्ज किया जावे।

इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण को बजरिया इश्तहार सूचित किया जाता है कि प्रार्थी श्री संजीव कुमार के दादा डैम्बा राम की मृत्यु तिथि व नाम ग्राम पंचायत बाग कुलजा के रिकार्ड में दर्ज करने पर यदि किसी को कोई उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 23-11-2009 को असालतन या वकालतन अधोहस्ताक्षरी की अदालत में आकर अपना एतराज दर्ज करवा सकता है। हाजिर न आने की सूरत में मृत्यु तिथि व नाम दर्ज करने के आदेश दे दिए जाएंगे।

आज दिनांक 19-10-2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

एच0 एल0 इन्दौरिया,  
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री एच0 एल0 इन्दौरिया, तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा,  
हिमाचल प्रदेश

श्री अश्वनी कुमार पुत्र श्री गरीब दास, निवासी धुपकियारा, मौजा लम्बा गांव, तहसील जयसिंहपुर,  
जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश प्रार्थी।

बनाम

आम जनता महाल धुपकियारा, मौजा लम्बा गांव, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश  
प्रत्यार्थीगण।

विषय.—प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री अश्वनी कुमार पुत्र श्री गरीब दास, निवासी गांव धुपकियारा, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ने अधोहस्ताक्षरी की अदालत में प्रार्थना-पत्र मय ब्यान हल्फी इस आशय से गुजारा है कि उसकी लड़की शिया ठाकुर की जन्म तिथि 9-7-2006 है जो कि ग्राम पंचायत धुपकियारा के रिकार्ड में दर्ज न है, जिसे दर्ज किया जावे।

इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण को बजरिया इश्तहार सूचित किया जाता है कि प्रार्थी शिया ठाकुर की जन्म तिथि व नाम ग्राम पंचायत धुपकियारा के रिकार्ड में दर्ज करने पर यदि किसी को कोई उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 23-11-2009 को असालतन या वकालतन अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में आकर अपना एतराज दर्ज करवा सकता है। हाजिर न आने की सूरत में जन्म तिथि व नाम दर्ज करने के आदेश दे दिए जाएंगे।

आज दिनांक 19-11-2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

एच0 एल0 इन्दौरिया,  
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री एच0 एल0 इन्दौरिया, तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा,  
हिमाचल प्रदेश

श्री मनोज कुमार पुत्र श्री मिलाप चन्द, निवासी मरेरा, मौजा गन्दड, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश प्रार्थी।

बनाम

आम जनता महाल मरेरा, मौजा गन्दड, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा (हि0 प्र0) प्रत्यार्थीगण।

विषय.—प्रार्थना—पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री मनोज कुमार पुत्र श्री मिलाप चन्द, निवासी गांव व डा0 मरेरा, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ने अधोहस्ताक्षरी की अदालत में प्रार्थना—पत्र मय ब्यान हल्फी इस आशय से गुजारा है कि उसकी लड़की मानवी की जन्म तिथि 24-8-2006 है जो कि ग्राम पंचायत गन्दड के रिकार्ड में दर्ज न है, जिसे दर्ज किया जावे।

इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण को बजरिया इश्तहार सूचित किया जाता है कि प्रार्थी मानवी की जन्म तिथि व नाम ग्राम पंचायत गन्दड के रिकार्ड में दर्ज करने पर यदि किसी को कोई उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 23-11-2009 को असालतन या वकालतन अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में आकर अपना एतराज दर्ज करवा सकता है। हाजिर न आने की सूरत में जन्म तिथि व नाम दर्ज करने के आदेश दे दिए जाएंगे।

आज दिनांक 19-11-2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

एच0 एल0 इन्दौरिया,  
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री एच0 एल0 इन्दौरिया, तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा,  
हिमाचल प्रदेश

श्रीमती सीता देवी पत्नी श्री गौरी चन्द, निवासी उत्तरापुर, मौजा जयसिंहपुर, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश प्रार्थी।

बनाम

आम जनता, महाल बालकरूपी, मौजा आलमपुर, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश प्रत्यार्थीगण।

विषय.—प्रार्थना—पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्रीमती सीता देवी पत्नी श्री गौरी चन्द, निवासी उत्तरापुर, मौजा जयसिंहपुर, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ने अधोहस्ताक्षरी की अदालत में प्रार्थना—पत्र मय ब्यान हल्फी इस आशय से गुजारा है कि उसके पिता श्री भूप सिंह की मृत्यु तिथि 5-5-1983 को हुई है जो कि ग्राम पंचायत बालकरूपी के रिकार्ड में दर्ज न है, जिसे दर्ज किया जावे।

इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण को बजरिया इश्तहार सूचित किया जाता है कि प्रार्थी के पिता की मृत्यु तिथि व नाम ग्राम पंचायत बालकरूपी के रिकार्ड में दर्ज करने पर यदि किसी को कोई उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 23-11-2009 को असालतन या वकालतन अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में आकर अपना एतराज पेश करवा सकता है। हाजिर न आने की सूरत में मृत्यु तिथि व नाम दर्ज करने के आदेश दे दिए जाएंगे।

आज दिनांक 28-10-2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

एच0 एल0 इन्दौरिया,  
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री एच0 एल0 इन्दौरिया, तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा,  
हिमाचल प्रदेश

श्रीमती सीता देवी पत्नी श्री गौरी चन्द, निवासी उत्तरापुर, मौजा जयसिंहपुर, तहसील जयसिंहपुर,  
जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश प्रार्थी।

बनाम

आम जनता, महाल उत्तरापुर, मौजा आलमपुर, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश  
प्रत्यार्थीगण।

विषय.—प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्रीमती सीता देवी पत्नी श्री गौरी चन्द, निवासी गांव उत्तरापुर, मौजा जयसिंहपुर, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ने अधोहस्ताक्षरी की अदालत में प्रार्थना-पत्र मय ब्यान हल्फी इस आशय से गुजारा है कि उसके पति श्री गौरी चन्द की मृत्यु तिथि 22-12-1973 को हुई है जो कि ग्राम पंचायत बीजापुर के रिकार्ड में दर्ज न है, जिसे दर्ज किया जावे।

इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण को बजरिया इश्तहार सूचित किया जाता है कि प्रार्थीया के पति की मृत्यु तिथि व नाम ग्राम पंचायत बीजापुर के रिकार्ड में दर्ज करने पर यदि किसी को कोई उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 23-11-2009 को असालतन या वकालतन अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में आकर अपना एतराज पेश करवा सकता है। हाजिर न आने की सूरत में मृत्यु तिथि व नाम दर्ज करने के आदेश दे दिए जाएंगे।

आज दिनांक 28-10-2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

एच0 एल0 इन्दौरिया,  
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

न्यायालय तहसीलदार एवं उपपंजीकाध्यक्ष, जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

तारीख पेशी 23-11-2009.

श्री बाल कृष्ण पुत्र श्री रतन चन्द, निवासी गांव साई, डाकघर आलमपुर, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश प्रार्थी।

## बनाम

आम जनता महाल साई, मौजा आलमपुर

प्रतिवादीगण।

प्रार्थना—पत्र जेर धारा 40-41 पंजीकरण एक्ट बावत वसीयत पंजीकरण बारे।

श्री बाल कृष्ण पुत्र श्री रतन चन्द, निवासी गांव साई, डाकघर आलमपुर, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा ने एक प्रार्थना—पत्र प्रस्तुत करते हुए अनुरोध किया है कि दिनांक 18-10-2008 को श्रीमती द्रोपती देवी पत्नी स्व० श्री झोफी राम, निवासी गांव साई, डाकघर आलमपुर, तहसील जयसिंहपुर जो कि आवेदक कर्ता की ताई है ने एक जुबानी वसीयत अपने देवर मस्त राम व छोटे देवर स्व० रतन चन्द के लड़कों सर्वश्री बाल कृष्ण व ज्ञान चन्द के हक में की है, का पंजीकरण किया जावे।

अतः इस इशतहार द्वारा आम जनता निवासी गांव साई, मौजा आलमपुर, तहसील जयसिंहपुर व अन्य को सूचित किया जाता है कि उपरोक्त वर्णित वसीयत के पंजीकरण करने बारे यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति असातन या वकालतन दिनांक 23-11-2009 को प्रातः 10.00 बजे या इससे पूर्व अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में कर सकता है। आपत्ति प्राप्त न होने की सूरत में मामले पर नियमानुसार अग्रिम कार्यवाही अम्ल में लाई जावेगी।

आज दिनांक 16-10-2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/—

तहसीलदार एवं उपपंजीकाध्यक्ष,  
जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री एच० एल० इन्दौरिया, तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा,  
हिमाचल प्रदेश

श्री वैनी राम पुत्र स्व० श्री नीरु राम, निवासी कच्छाल मण्डरियां, मौजा व तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

प्रार्थी।

## बनाम

आम जनता

प्रत्यार्थीगण।

विषय.—मृत्यु पंजीकरण करवाने बारे।

श्री वैनी राम पुत्र स्व० श्री नीरु राम, निवासी कच्छाल मण्डरियां, मौजा व तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ने प्रार्थना—पत्र पेश करके प्रार्थना की है कि उसके पिता जी की मृत्यु दिनांक 4-4-2004 को हुई है लेकिन मृत्यु का पंजीकरण ग्राम पंचायत बाग कुलजा में नहीं करवाया है, जिसे प्रार्थी अब करवाना चाहता है।

अतः इस इशतहार राजपत्र द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी भी व्यक्ति को प्रार्थी के पिता जी की मृत्यु तिथि के पंजीकरण बारे कोई एतराज व उजर हो तो वह दिनांक 23-11-2009 को अधोहस्ताक्षरी की अदालत में आकर अपना एतराज पेश करवा सकता है। एतराज पेश न होने की सूरत में नियमानुसार मृत्यु पंजीकरण के आदेश पारित कर दिए जाएंगे।

यह इश्तहार आज दिनांक 7-11-2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी हुआ।

मोहर।

एच0 एल0 इन्दौरिया,  
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री एच0 एल0 इन्दौरिया, तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा,  
हिमाचल प्रदेश

श्री सोहन सिंह पुत्र श्री भगत राम, निवासी देहरू, मौजा कोसरी, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा,  
हिमाचल प्रदेश प्रार्थी।

बनाम

आम जनता महाल देहरू, मौजा कोसरी, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश  
प्रत्यार्थीगण।

विषय.—प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री सोहन सिंह पुत्र श्री भगत राम, निवासी देहरू, मौजा कोसरी, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ने अधोहस्ताक्षरी की अदालत में प्रार्थना-पत्र मय ब्यान हल्फी इस आशय से गुजारा है कि उसके लड़के सहिल की जन्म तिथि 25-8-2006 है जो कि ग्राम पंचायत कोसरी के रिकार्ड में दर्ज न है, जिसे दर्ज किया जावे।

इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण को बजरिया इश्तहार सूचित किया जाता है कि प्रार्थी के लड़के की जन्म तिथि व नाम ग्राम पंचायत कोसरी के रिकार्ड में दर्ज करने पर यदि किसी को कोई उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 23-11-2009 को असालतन या वकालतन अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में आकर अपना एतराज दर्ज करवा सकता है। हाजिर न आने की सूरत में जन्म तिथि व नाम दर्ज करने के आदेश दे दिए जाएंगे।

आज दिनांक 19-10-2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

एच0 एल0 इन्दौरिया,  
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री एच0 एल0 इन्दौरिया, तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा,  
हिमाचल प्रदेश

श्री राजीव कुमार पुत्र श्री वचित्र सिंह, निवासी कायला मौजा जयसिंहपुर, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश प्रार्थी।

बनाम

आम जनता महाल कायला, मौजा व तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश  
प्रत्यार्थीगण।



विषय.—प्रार्थना—पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री राजीव कुमार पुत्र श्री वचित्र सिंह, निवासी गांव कायला, डाकघर संधोल, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ने अधोहस्ताक्षरी की अदालत में प्रार्थना—पत्र मय ब्यान हल्फी इस आशय से गुजारा है कि उसकी लड़की प्रियाशी की जन्म तिथि 3-6-2007 है जो कि ग्राम पंचायत संधोल के रिकार्ड में दर्ज न है, जिसे दर्ज किया जावे।

इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण को बजरिया इश्तहार सूचित किया जाता है कि प्रार्थी प्रियाशी की जन्म तिथि व नाम ग्राम पंचायत संधोल के रिकार्ड में दर्ज करने पर यदि किसी को कोई उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 23-11-2009 को असालतन या वकालतन अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में आकर अपना एतराज दर्ज करवा सकता है। हाजिर न आने की सूरत में जन्म तिथि व नाम दर्ज करने के आदेश दे दिए जाएंगे।

आज दिनांक 19-10-2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

एच0 एल0 इन्दौरिया,  
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री एच0 एल0 इन्दौरिया, तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा,  
हिमाचल प्रदेश

श्रीमती सोना देवी पत्नी श्री सरन दास, निवासी कर्णधर, मौजा जयसिंहपुर, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश प्रार्थी।

बनाम

आम जनता, महाल कर्णधर, मौजा जयसिंहपुर, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश  
प्रत्यार्थीगण।

विषय.—प्रार्थना—पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्रीमती सोना देवी पत्नी श्री सरन दास, निवासी कर्णधर, मौजा जयसिंहपुर, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ने अधोहस्ताक्षरी की अदालत में प्रार्थना—पत्र मय ब्यान हल्फी इस आशय से गुजारा है कि उसके पति श्री सरन दास की मृत्यु तिथि 7-2-1983 है जो कि ग्राम पंचायत कर्णधर के रिकार्ड में दर्ज न है, जिसे दर्ज किया जावे।

इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण को बजरिया इश्तहार सूचित किया जाता है कि प्रार्थीया के पति की मृत्यु तिथि ग्राम पंचायत कर्णधर के रिकार्ड में दर्ज करने पद यदि किसी को कोई उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 23-11-2009 को असालतन या वकालतन अधोहस्ताक्षरी की अदालत में आकर अपना एतराज दर्ज करवा सकता है। हाजिर न आने की सूरत में मृत्यु तिथि व नाम दर्ज करने के आदेश दे दिए जाएंगे।

आज दिनांक 19-10-2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

एच0 एल0 इन्दौरिया,  
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री एच0 एल0 इन्दौरिया, तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

श्रीमती शान्तो देवी पत्नी श्री थोगलिया उपनाम किशन, निवासी दगोह, मौजा दगोह, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश प्रार्थी।

बनाम

आम जनता, महाल दगोह, मौजा दगोह, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश प्रत्यार्थीगण।

विषय.—प्रार्थना—पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्रीमती शान्तो देवी पत्नी श्री थोगलिया उपनाम किशन, निवासी दगोह, मौजा दगोह, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ने अधोहस्ताक्षरी की अदालत में प्रार्थना—पत्र मय ब्यान हल्फी इस आशय से गुजारा है कि उसके पति श्री थोगलिया उपनाम किशन की मृत्यु तिथि 22-5-1987 है जो कि ग्राम पंचायत दगोह के रिकार्ड में दर्ज न है, जिसे दर्ज किया जावे।

इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण को बजरिया इश्तहार सूचित किया जाता है कि प्रार्थीया के पति की मृत्यु तिथि ग्राम पंचायत दगोह के रिकार्ड में दर्ज करने पर यदि किसी को कोई उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 23-11-2009 को असालतन या वकालतन अधोहस्ताक्षरी की अदालत में आकर अपना एतराज दर्ज करवा सकता है। हाजिर न आने की सूरत में मृत्यु तिथि दर्ज करने के आदेश दे दिए जाएंगे।

आज दिनांक 19-10-2009 को मेरे हस्ताक्षर व अदालत मोहर से जारी हुआ।

मोहर।

एच0 एल0 इन्दौरिया,  
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री एच0 एल0 इन्दौरिया, तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

श्री सतीश कुमार पुत्र श्री शिवदत्त शर्मा, निवासी हलेड़, मौजा जयसिंहपुर, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश प्रार्थी।

बनाम

आम जनता, महाल हलेड़, मौजा जयसिंहपुर, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश प्रत्यार्थीगण।

विषय.—प्रार्थना—पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री सतीश कुमार पुत्र श्री शिवदत्त शर्मा, निवासी हलेड़, मौजा जयसिंहपुर, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ने अधोहस्ताक्षरी की अदालत में प्रार्थना—पत्र मय ब्यान हल्फी इस आशय से गुजारा है कि उसके पिता श्री शिवदत्त शर्मा की मृत्यु तिथि 25-12-1994 है जो कि ग्राम पंचायत हलेड़ के रिकार्ड में दर्ज न है, जिसे दर्ज किया जावे।

इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण को बजरिया इश्तहार सूचित किया जाता है कि प्रार्थी के पिता की मृत्यु तिथि ग्राम पंचायत हलेड़ के रिकार्ड में दर्ज करने पर यदि किसी को कोई उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 23-11-2009 को असालतन या वकालतन अधोहस्ताक्षरी की अदालत में आकर अपना एतराज दर्ज करवा सकता है। हाजिर न आने की सूरत में मृत्यु तिथि दर्ज करने के आदेश दे दिए जाएंगे।

आज दिनांक 19-10-2009 को मेरे हस्ताक्षर व अदालत मोहर से जारी हुआ।

मोहर।

एच0 एल0 इन्दौरिया,  
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री एच0 एल0 इन्दौरिया, तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा,  
हिमाचल प्रदेश

श्रीमती सुमना देवी पत्नी श्री कुलदीप कुमार, निवासी पन्डेहड़, मौजा लम्बागांव, तहसील जयसिंहपुर,  
जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश प्रार्थी।

बनाम

आम जनता महाल पन्डेहड़, मौजा लम्बागांव, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश  
प्रत्यार्थीगण।

विषय.—प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्रीमती सुमना देवी पत्नी श्री कुलदीप कुमार, निवासी पन्डेहड़, मौजा लम्बागांव, तहसील जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश ने अधोहस्ताक्षरी की अदालत में प्रार्थना-पत्र मय ब्यान हल्फी इस आशय से गुजारा है कि उसकी लड़की शालू कुमारी की जन्म तिथि 13-5-2003 है जो कि ग्राम पंचायत लम्बागांव के रिकार्ड में दर्ज न है, जिसे दर्ज किया जावे।

इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण को बजरिया इश्तहार सूचित किया जाता है कि प्रार्थीया की लड़की की जन्म तिथि व नाम ग्राम पंचायत लम्बागांव के रिकार्ड में दर्ज करने पर यदि किसी को कोई उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 23-11-2009 को असालतन या वकालतन अधोहस्ताक्षरी की अदालत में आकर अपना एतराज पेश करवा सकता है। हाजिर न आने की सूरत में जन्म तिथि व नाम दर्ज करने के आदेश दे दिए जाएंगे।

आज दिनांक 19-10-2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

एच0 एल0 इन्दौरिया,  
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
जयसिंहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री सी0 टी0 बौद्ध, सहायक समाहर्ता प्रथम वर्ग, कोटखाई, जिला शिमला (हि0 प्र0)

वाद नं0 4/09

तारीख पेशी 7-12-2009

उनवान : रोशन लाल

बनाम

नरतू राम आदि।

किस्म मुकद्दमा : तकसीम

### नोटिस राजपत्र इश्तहार

#### बनाम

सर्व श्री/श्रीमती 1. जोगिन्द्र सिंह पुत्र माठा, निवासी नालटा, 2. संदीप पुत्र नकटू, 3. मैना देवी विधवा नकटू, 4. जोबन दास पुत्र सनिया सभी निवासी शरमटू, 5. माठी पत्नी माठा, निवासी शोलवी, 6. झेबरी पुत्री सनिया, निवासी बरसाड़ी, 7. सानिया, निवासी शरमटू, 8. गुलाबू, 9. आत्मा राम, 10. परमा राम पुत्रान मांगू, 11. बालमू पुत्री मांगू, 12. रथी विधवा मांगू, सभी निवासी बड़ोग, तहसील ठियोग, जिला शिमला (हि0 प्र0)।

उपरोक्त प्रतिवादीगणों को कई बार इत्तलाह दी गई कि वह उपरोक्त मुकद्दमा की पैरवी हेतु अदालत में हाजिर आवें, परन्तु समनों की तामील साधारण तरीके से नहीं हो रही है।

अतः उपरोक्त प्रतिवादीगणों को बजरिया इश्तहार राजपत्र सूचित किया जाता है कि वह अगली पेशी दिनांक 7-12-2009 बजे प्रातः 10.00 बजे इस अदालत में असातन/वकालतन हाजिर आकर मुकद्दमा की पैरवी करें, अन्यथा उनके विरुद्ध एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 30-10-2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया।

मोहर।

सी0 टी0 बौद्ध,  
सहायक समाहर्ता प्रथम वर्ग,  
कोटखाई, जिला शिमला (हि0 प्र0)।

ब अदालत श्री जिया लाल चौहान, कार्यकारी दण्डाधिकारी जुब्बल, तहसील जुब्बल, जिला शिमला (हि0 प्र0)

श्री ज्ञान चन्द पुत्र श्री प्रेम चन्द, निवासी ग्राम भोलाड़, तहसील जुब्बल, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

#### बनाम

#### आम जनता

आवेदन-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री ज्ञान चन्द पुत्र श्री प्रेम चन्द, निवासी ग्राम भोलाड़, तहसील जुब्बल, जिला शिमला (हि0 प्र0) ने इस अदालत में जेर धारा 13(3) जन्म एवम् मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के अन्तर्गत दावा दायर किया है कि उसकी माता श्रामती विन्द्रा मनी पत्नी स्व0 श्री प्रेम चन्द का देहान्त दिनांक 23-10-1996 को हो चुका है परन्तु प्रार्थी मृत्यु का पंजीकरण ग्राम पंचायत भोलाड़ के अभिलेख में दर्ज नहीं करवा सका तथा अब दर्ज करवाने हेतु निवेदन किया है।

अतः इस इश्तहार के माध्यम से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को इस बारा कोई आपत्ति हो तो वह दिनांक 11-12-2009 को प्रातः 10.00 बजे इस अदालत में हाजिर आकर अपना एतराज दर्ज करवा सकता है अन्यथा गैर हाजिरी की सूरत में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

आज दिनांक 11-11-2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया।

मोहर।

जिया लाल चौहान,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
जुब्बल, तहसील जुब्बल, जिला शिमला (हि0 प्र0)।

-----

ब अदालत श्री जिया लाल चौहान, कार्यकारी दण्डाधिकारी जुब्बल, तहसील जुब्बल, जिला शिमला (हि0 प्र0)

किस्म मुकद्दमा : पंचायत रिकार्ड में नाम दर्ज करने बारे।

श्री महेश कुमार शर्मा पुत्र श्री मोती राम शर्मा, ग्राम भटाड़, डाकघर ढाड़ी रावत, तहसील जुब्बल,  
जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश . . प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

आवेदन-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

उपरोक्त प्रार्थी ने इस अदालत में एक दरखास्त गुजार रखी है जिसमें लिखा है कि प्रार्थी का विवाह श्रीमती अंजली पुत्री श्री मोहन लाल, ग्राम मैन्द्रथ, तहसील त्युनी, जिला देहरादून, उत्तराखण्ड के साथ दिनांक 9-5-1998 को सम्पन्न हुआ, परन्तु प्रार्थी की पत्नी का नाम ग्राम पंचायत के अभिलेख में दर्ज नहीं किया जा सका जिसे प्रचायत अभिलेख में दर्ज करने हेतु निवेदन किया है।

अतः सर्वसाधारण जनता को राजपत्र इश्तहार के माध्यम से सूचित किया जाता है कि किसी भी व्यक्ति को उपरोक्त प्रार्थी की पत्नी का नाम ग्राम पंचायत कुडू के अभिलेख में दर्ज करने बारे कोई आपत्ति/एतराज हो तो वह दिनांक 11-12-2009 को इस अदालत में प्रातः 10.00 बजे असालतन व वकालतन हाजिर होकर अपने उजर व एतराज पेश करें अन्यथा गैर हाजरी की सूरत में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

आज दिनांक 11-11-2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी किया गया।

मोहर।

जिया लाल चौहान,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
जुब्बल, तहसील जुब्बल, जिला शिमला (हि0 प्र0)।

-----

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, अम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

श्री Gurnam Singh पुत्र श्री Nathu Ram, निवासी तहसील अम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

बनाम

आम जनता

प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री Gurnam Singh पुत्र श्री Nathu Ram ने इस अदालत में प्रार्थना-पत्र गुजारा है कि उसके भाई Jaswant Singh पुत्र श्री Nathu Ram का जन्म/मृत्यु दिनांक 2-2-2009 को हुआ था/हुई थी परन्तु अज्ञानतावश वह उसकी जन्म/मृत्यु तिथि ग्राम पंचायत के रिकार्ड में दर्ज नहीं करा सका है।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि इस बारा किसी को कोई एतराज हो तो वह दिनांक 27-11-2009 को असालतन या वकालतन हाजिर होकर अपना एतराज पेश कर सकता/सकती है। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्रार्थना-पत्र श्री Gurnam पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

आज दिनांक.....को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/—  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
अम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, अम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश

श्री Gurnam Singh पुत्र श्री Nathu Ram, निवासी.....तहसील अम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री Gurnam Singh पुत्र श्री Nathu Ram, निवासी Sanoh ने इस अदालत में प्रार्थना-पत्र गुजारा है कि उसके भाई का नाम Ved Parkesh पुत्र श्री Nathu Ram की मृत्यु दिनांक 10-2-2009 को हुई थी परन्तु अज्ञानतावश वह उसकी मृत्यु तिथि ग्राम पंचायत Mairi के रिकार्ड में दर्ज नहीं करा सका है।

अतः सर्वसाधारण को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि इस बारा किसी को कोई एतराज हो तो वह दिनांक 27-11-2009 को असालतन या वकालतन हाजिर होकर अपना एतराज पेश कर सकता है या कर सकती है। निर्धारित अवधि के पश्चात् कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्रार्थना-पत्र श्री Gurnam पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

आज दिनांक.....को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/—  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
अम्ब, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री रणजीत सिंह नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील बंगाणा, जिला ऊना,  
हिमाचल प्रदेश

निशा देवी पत्नी श्री राज कुमार, निवासी महाल बल्ह खोली, तहसील बंगाणा, जिला ऊना,  
हिमाचल प्रदेश। प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना—पत्र बाबत जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

निशा देवी पत्नी श्री राज कुमार, निवासी महाल बल्ह खोली, तहसील बंगाणा, जिला ऊना ने इस न्यायालय में प्रार्थना—पत्र प्रस्तुत किया है कि उसकी पुत्री का नाम श्रुति सोनी पुत्री श्री राज कुमार है, जिसकी जन्म तिथि 2—3—2004 है अज्ञानतावश वह अपनी पुत्री की जन्म तिथि ग्राम पंचायत के रिकार्ड में दर्ज न करवा सके हैं। जिसे दर्ज करने के आदेश पारित किए जावें।

अतः सर्वसाधारण को इस इश्तहार मुनादी हिमाचल प्रदेश राजपत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त जन्म तिथि पंचायत रिकार्ड में दर्ज करने बारा कोई आपत्ति या एतराज हो तो वह निर्धारित तिथि पेशी दिनांक 10—12—2009 को इस न्यायालय में प्रातः 10.00 बजे असातन या वकालतन उपस्थित आकर अपनी आपत्ति या एतराज प्रस्तुत कर सकता है। हाजिर न आने की सूरत में नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 9—11—2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

रणजीत सिंह,  
नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
तहसील बंगाणा, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।

-----

ब अदालत श्री रणजीत सिंह नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, तहसील बंगाणा, जिला ऊना,  
हिमाचल प्रदेश

प्रकाश चन्द पुत्र श्री मनोहर लाल, निवासी महाल खोली, तहसील बंगाणा, जिला ऊना,  
हिमाचल प्रदेश। प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

प्रार्थना—पत्र बाबत जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

प्रकाश चन्द पुत्र श्री मनोहर लाल, निवासी महाल खोली, तहसील बंगाणा, जिला ऊना ने इस न्यायालय में एक प्रार्थना—पत्र प्रस्तुत किया है कि उसके पिता श्री मनोहर लाल पुत्र श्री नरैण सिंह की मृत्यु दिनांक 30—10—1998 को हो चुकी है परन्तु अज्ञानतावश वह अपने पिता की मृत्यु तिथि ग्राम पंचायत के रिकार्ड में दर्ज न करवा सके हैं। जिसे दर्ज करने के आदेश पारित किए जावें।

अतः सर्वसाधारण को इस इश्तहार मुनादी हिमाचल प्रदेश राजपत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त मृत्यु तिथि पंचायत रिकार्ड में दर्ज करने बारा कोई आपत्ति या एतराज हो

तो वह निर्धारित तिथि पेशी दिनांक 10-12-2009 को इस न्यायालय में प्रातः 10.00 बजे असालतन या वकालतन उपस्थित आकर अपनी आपत्ति या एतराज प्रस्तुत कर सकता है। हाजिर न आने की सूरत में नियमानुसार कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 9-11-2009 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

रणजीत सिंह,  
नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
तहसील बंगाणा, जिला ऊना, हिमाचल प्रदेश।